ओ३म्
कृण्वन्तोविश्वमार्यम्

आर्य्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का मुखपत्र – पाक्षिक

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजा पार्क, जयपुर

वर्ष : 91 अंक : 11
फाल्गुन शुक्ल अष्टमी
विक्रम संवत् 2073
कलि संवत् 5117
5 मार्च, से 21 मार्च 2017
दयानन्दाब्द : 192
सृष्टि संवत् : 01,96,08,53,117
मुख्य सम्पादक :
डॉ. सुधीर शर्मा – 9314032161
संपादक मंडल :
स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, सीकर
श्री ओम मुनि, ब्यावर
श्री विजयसिंह भाटी , जोधपुर
डॉ. बलवंत शास्त्री, बहरोड़, अलवर
डॉ. स्नेहलता शर्मा, राज. सस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
श्री हरिपाल शास्त्री , अलवर
श्री जगदीश आर्य, जखराणा, अलवर
श्री ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति, जयपुर
श्रीमती अरूणा सतीजा , जयपुर
श्री बृजेन्द्र देव आर्य्य , अलवर
श्री अनिल आर्य, जयपुर
प्रकाशक : आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
दूरभाष : 0141 – 2621879
प्रकाशन : दिनांक 5 एवं 21
पत्र व्यवहार का अस्थाई पता :
डॉ. सुधीर शर्मा सम्पादक, आर्य्य मार्तण्ड, 42, मुक्तानन्द नगर, गोपालपुरा बाईपास , जयपुर – 302018। मो. – 9314032161
मुद्रक : राज प्रिन्टर्स एण्ड एसोशिएट्स, जयपुर
ग्राफिक्स : प्रिण्टपैक, जयपुर ।
ई–मेल : aryamartand@gmail.com
arya.sabha1896@gmail.com
एक प्रति मूल्य : 5 रुपया
सहायता शुल्क : 100 रुपया
ऑनलाईन प्राप्ति :
www.thearyasamaj.org/aryamart

स्वदेश, स्वभाषा, स्वराज्य, स्वधर्म के अग्रदूत महर्षि दयानन्द सरस्वती

स्वमार्यम्– कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

अधर्म पूर्वक भोग,

आज संसार में अधिकांश व्यक्ति हिंसा, अधर्म, छल कपट से जब धन संग्रह करता है, और एकाएक समृद्ध होता हुआ भी नजर आता है, पर अंततः समूल विनाश के रूप में उसका फल भोगना पडता हैं। अधर्म हिंसा आदि से प्राप्त किये धन–भोगों के सेवन में जो जो पुत्र पौत्रादि पारिवारिक जन सम्मिलित होते हैं। वे भी उस अधर्म के भागीदार होते हैं, भागीदार होने के कारण उसके फल को भोगते हैं। इसके प्रमाण के लिये हिंसा के प्रसंग मे आठ प्रकार के पापियों की गणना मनुस्मृति में की गई है–

अनुमन्ता विशसिता निहन्ता क्रयविक्रयी।
संस्कर्ता चोपहर्ता च खादकश्चेति घातकः।। विशुद्ध मनुस्मति ।।5, 51।।

(अनुमन्ता) मारने की आज्ञा देने वाला (विशसिता) मांस को काटनेवाला (निहन्ता) पशु को मारने वाला (क्रयविक्रयी) पशुओं को मारने के लिये मोल लेने और बेचने वाला (संस्कर्ता) पकानेवाला (अपहर्ता) परोसनेवाला (च) और (खादकः) खाने वाला (इति घातकः) ये सब हत्यारे और पापी हैं। हिंसक अर्थात ये सब पापकारी हैं। और सभी को इसका फल

योहि मित्रेषु कालज्ञः सततं साधु वर्तते । तस्य राज्यं च कीर्तिश्च प्रतापश्चाभिवर्धते।। –वाल्मीकि रामायण – किष्किन्धा काण्ड, सर्गः 23 ।।
अर्थात् समय को जानने वाला जो पुरूष अपने मित्रों के साथ उत्तम व्यवहार करता है उसका राज्य, यश और प्रताप उत्तरोत्तर बढ़ता है।

मिलता है।

यदि नात्मनि पुत्रेषु न चेत्पुत्रेषु नप्तृषु।
न त्वेव तु कृतोऽधर्मः कर्तृर्भवति निष्फलः।।

वि. मनु. ।।4,173 ।।

(यदि न आत्मनि) यदि अधर्म का फल कर्ता की विद्यमानता में न हो तो (पुत्रेषु) पुत्रों (पुत्रेषु न चेत नप्तृषु) यदि पुत्रों के समय में न हो तो नातियों = पोतों के समय में अवश्य प्राप्त होता है। (तु) किन्तु (न एव तु) यह कभी नहीं हो सकता कि (कतृः अधर्म : निष्फल : भवति) कर्ता का किया हुवा कर्म कभी निष्फल होवे – संस्कार विधि 170

दश कामज व्यसन–

मृगयाऽक्षो दिवा स्वप्नः परिसंवादः स्त्रियो मदः।
तौर्यात्रिकं वृथाट्यां च कोमजो दश को गणः।।

स.प्र. 144

काम से उत्पन्न हुवे व्यसन गिनाते हैं। (मृगया) मृगया (शिकार) खेलना, करना (अक्षः) चौपट खेलना, जुवा खेलना आदि (दिवास्वप्नः) दिनमें सोना (परिसंवादः) काम कथा वा दूसरों की निंदा किया करना (स्त्रिय) स्त्रियों का अति संग (मदः) मादक द्रव्य, मद्य, अफीम, भांग, गांजा, चरस आदि का सेवन (तौर्या–त्रिकम) गाना, बजाना, नाच करना, सुनना और देखना (ये तीन बातें) (वृथाट्या) वृथा इधर उधर घूमते रहना (दश कामज गणः) ये दस कामज (कामोत्पन्न) व्यसन हैं। अब

क्रोधज आठ व्यसन–

पैशुन्यं साहसं द्रोह ईर्ष्यासूयार्थदूषणं।।
वागदण्डजं च पारुष्यं क्रोधजोऽपि गणोष्टकः।।

मनु 7, 48

(पैशुन्यं) चुगली करना (साहसं) बिना विचारे बलात्कार से किसी स्त्री से बुरा काम करना (द्रोह) द्रोह रखना (ईर्ष्या) दूसरों की बड़ाई या उन्नति देखकर जला करना (असूया) दोषो में गुण, गुणों में दोषारोपण करना (अर्थ दूषणं) अधर्म युक्त बुरे कामों में धन आदिका व्यय करना (वाग दण्डजम्) कठोर वचन बोलना और बिना अपराध के कडा वचन (च) वा (पारुष्यं) विशेष दंड देना (अष्टकः क्रोधजः+अपि गणः) ये आठ दुर्गुण क्रोध से उत्पन्न होते हैं।

'' सभी व्यसनों का मूल लोभ''

जो सब विद्वान् लोग कामज और क्रोधजों का मूल जानते हैं, कि जिससे ये सब दुर्गुण मनुष्यों को प्राप्त होते हैं, उस लोभ को प्रयत्न से छोड़ें। यह निश्चय है कि दुष्ट व्यसन में फंसने से मर जाना अच्छा है। क्योंकि जो दुष्टाचारी पुरुष है वह अधिक जिएगा तो अधिकाधिक पाप करके नीच गति को प्राप्त होता जाएगा। एक क्रांतिकारी कवि ने भी कहा हैं–

बुराईयों को कभी जीवन में अपना ना न चाहिए।
ये मीठा जहर होता हैं इसे खाना नहीं चाहिए।।

महर्षि शांकधर के वचन है ''बुद्धि लुम्पति यद द्रव्यं मद्यकारी तदुच्यते अर्थात् बुद्धि नष्ट भ्रष्ट करने वाली चीज या वस्तु को व्यसन कहा है। व्यसन का सर्वनाश करना उसका जन्म सिद्ध अधिकार है। आकाश के शनि से किसी की हानि नहीं होती पर धरती पर जो व्यसन है, वह शनि सुख शांति (मनुष्य की) नष्ट कर देता है। इससे दूर ही रहना चाहिए।

– रामभाऊ मुंगे
मन्त्री, आर्य समाज म. दयानन्द नगर, उमरखेड़
यवतमाल (महाराष्ट्र)

सत्यार्थ प्रकाश क्रान्ति अभियान के प्रणेता अनिल आर्य का गृहस्थाश्रम में प्रवेश

आर्यमार्तण्ड के सम्पादक मण्डल के सदस्य एवं आर्य वीर दल, जयपुर संभाग के मन्त्री अनिल आर्य का विवाह संस्कार आर्यजगत् के प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् डॉ. रामापाल जी विद्याभास्कर के पौरोहित्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आर्य जगत् से श्री सत्यवीर जी आर्य (अलवर), अमित आर्य, (बीकानेर), विश्वास पारीक (अजमेर), अंकुश आर्य (गंगापुर), देवेन्द्र शास्त्री (जयपुर), पं. दीपक शास्त्री (जयपुर), आर्य प्रतिनिधि सभा के मन्त्री डॉ. सुधीर शर्मा, पं. देवव्रत शास्त्री आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि श्री अनिल आर्य ने विगत बीस वर्षों से देश विदेश में आर्य समाज एवं योग के प्रचार प्रसार की धूममचा रखी है। 2016 में इनके द्वारा इण्डोनेशिया देश में किया गया प्रचार प्रसार अत्यन्त ही प्रशंसनीय रहा।

कः कालः कानि मित्राणि कः देशः को व्ययागमोः । कस्याहं का च मे शक्तिरिति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः ।। – अर्थात् कैसा समय है, कौन सा देश है, कौन मेरे मित्र हैं? मेरी आय–व्यय क्या है? मैं किसकी ओर हूँ और मेरी क्या शक्ति है! इसे बार–बार सोचना चाहिए।

वेदामृत

ऋषि : – त्रिशिरास्त्वाष्ट्रः। देवता : – अग्नि ।
छन्द : – निचृत् त्रिष्टुप्।
स्वर : – धैवतः ।
विषय : – इस सूक्त में तीनों लोकों में वर्तमान अग्नितत्त्व का वर्णन किया जाता है और 'इन्द्र' शब्द से परमात्मा उपासनीय वर्णित किया है।
भाष्यकार – युगप्रवर्त्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती
प्रकाशक – वैदिक पुस्तकालय, अजमेर ,
मुद्रक – वैदिक यन्त्रालय, अजमेर।

ओ3म् भुवो यज्ञस्य रजसश्चनेता यत्रा नियुद्भिः सचसेशिवाभिः दिवि मूर्धानंदधिषे स्वर्षा जिह् वामग्ने चकृषे हव्य वाहम्।।
– ऋ॰ 10। 08। 06।।

भाषान्वयार्थ––(अग्ने) हे पार्थिव अग्नि! तू **(जिह्वां स्वर्षाहव्यवाहं चकृषे)** अपनी ज्वाला को सुख सम्भाजन कराने वाली हो मने योग्य वस्तु को वहन करने वाली करता है–बनाता है, तो **(दिवि मूर्धानंदधिषे)** द्युलोक में वर्तमान सूर्य को धारण करता है–आश्रय बनाताहै, हव्य पदार्थ को ऊपर ले जाने को–सूर्य की ओर हव्य पदार्थ को प्रेरित करता है (यत्र शिवाभिः–नियुद्भिः–सचसे) जिस देश में कल्याण करने वाली नियत आहुतियों के साथ संगत होता है तो (यज्ञस्य रजसः–च नेता भुवः) उस देशमेंतू यज्ञ और उस रंजनात्मक प्रदेश कानेता–सम्पादक होता है।। 6 ।।

भावार्थ– अग्नि की ज्वाला सुख–सम्भा विकाहै । वह हो मे हुए पदार्थ वहन करके सूर्य तक ले जाती है। नियत आहुतियों से संयुक्त होकर ही अग्नि यज्ञ को और यज्ञ से रंजनीय हुए देश या वातावरण को उत्तम बनाती है। ऐसे ही विद्वान् की वाणी मीठी और कल्याणकारी होकर समाज में ऊपर तक पहुंच कर वातावरण को अच्छा बनाती है ।। 6 ।।

रोग एवं उनकी यौगिक चिकित्सा भाग – 14

चेहरे पर झुर्रियाँ पड़ना

कारण– अनावश्यक चिन्ता, शरीर में विजातीय तत्त्व की वृद्धि होकर मांसपेशियों और धमनियों में काठिन्य, समुचित भोजन का अभाव, अल्पनिद्रा, अत्यधिक मानसिक श्रम, अधिक गम्भीरता, मनोरजंन का अभाव।

चिकित्सा– आसन–प्राणायाम का पूर्ण अभ्यास क्रम। शीर्षासन विशेष लाभदायक है। इसके अभाव में सर्वाङ्.गासन, मत्स्यासन, ग्रीवाचक्र, सिंहमुद्रा एवं खिलखिलाकर हंसना भी बहुत लाभदायक है।

काकी मुद्रा – मुख को पूरा फुला लीजिए। दोनों हाथों से नथुनों को दबाकर जालन्ध बन्ध लगाइए। हाथों की अंगुलियाँ परस्पर मिली हुई रहेंगी। इसके 3–7 चक्र। शीशे के सामने खड़े होकर मुख को पूरा खोलने और बन्द करने का व्यायाम। गालों को फुला कर ग्रीवा चक्र, हँसने का अभ्यास और प्रसन्न रहना। स्नान के समय खद्दर के मोटे तौलिये को जल में भिगोकर समस्त शरीर के साथ चेहरे को भी धीरे से रगडें।

राष्ट्र एकता–अखण्डता यात्रा का बगरू में स्वागत

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव पर दिल्ली प्रदेश के आर्य वीरों द्वारा आयोजित राष्ट्र एकता एवं अखण्डता मोटरसाईकिल यात्रा निकाली गई। दिल्ली से टंकारा के लिए 2600 किमी की इस यात्रा में 100 आर्य वीरों ने भाग लिया। 20 फरवरी को हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी, आर्य जगत के भामाशाह महाशय धर्मपाल जी ने ओ३म् ध्वजा दिखाकर यात्रा प्रारम्भ करवाई। दिल्ली से प्रारम्भ यात्रा का राजस्थान प्रदेश में आर्य समाज बहरोड़ (अलवर) आर्य समाज कोटपूतली, चीथवाड़ी में स्वागत किया गया। मध्याह्न में यात्रा संस्कार भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बगरू में पहुंची जहाँ शिक्षण संस्था प्रबन्धन, आर्य समाज बगरू, आर्य वीरदल राजस्थान एवं आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान द्वारा भव्य स्वागत किया। यात्रियों के स्वरूचि भोज का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्यप्रतिनिधि सभा के मन्त्री डॉ. सुधीर शर्मा, आर्यवीर दल राजस्थान के कार्यकारी संचालक देवेन्द्र शास्त्री उपस्थित रहे।

- **परमात्मा की बनायी हुई इस सृष्टि में अभिमानी, अन्यायकारी, अविद्वान लोगों का राज्य बहुत दिन तक नहीं चलता ।**

– सत्यार्थ प्रकाश, एकादश समुल्लास

आर्य समाज स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर में पं. हेतराम आर्य सभागार का अनावरण।

श्री विजय सिंह भाटी '' कर्मवीर आर्य श्रेष्ठ'' उपाधि से सम्मानित

स्वतन्त्रता सेनानी स्व. श्री छोटू सिंह आर्य संस्थापक प्रधान आर्य कन्या विद्यालय समिति, अलवर की दशम् एवं स्व. श्रीमती शारदा देवी आर्य की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 23.02.2017, गुरूवार को आर्य समाज, स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर में दोपहर 3:00 बजे यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा हुई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा में श्री जगदीश प्रसाद आर्य (जखराना) ने श्री छोटूसिंह आर्य के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समय सीमित है उसे छूटने न दिया जाएँ। उनके पदचिह्नों पर चलकर उनके अधूरे कार्य को पूरा करे यहीं सच्ची श्रद्धांजलि है। पं. अमर मुनि जी ने कहा कि छोटू सिंह आर्य ने सन्त की तरह समाज कल्याण के लिए कार्य किया। वेदों से मानव देवत्व को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अलवर में ऋषि दयानन्द के सिद्धान्तों का प्रचार करने हेतु छात्राओं का विद्यालय खोला। सम्पूर्ण जीवन आर्य समाज को समर्पित कर ऋषि दयानन्द के सपनों को पूरा करने के लिए नारी शिक्षा पर बल दिया।

इस अवसर पर सांय 4:00 बजे मुख्य अतिथि श्री विजय सिंह भाटी, प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, द्वारा ''पं. हेतराम आर्य सभागार'' (नवनिर्मित हॉल) का उद्घाटन किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता, प्रधान, आर्य कन्या विद्यालय समिति ने की। उद्घाटन के पश्चात् शारदा देवी छोटूसिंह आर्य चैरिटेबल ट्रस्ट, अलवर द्वारा ''अष्टम सम्मान समारोह'' में श्री विजय सिंह भाटी, को '' कर्मवीर आर्य श्रेष्ठ'' की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती कमला शर्मा ने अभिनन्दन पत्र का वाचन किया और स्मृति चिह्न एवं शॉल ओढ़ाकर 11 हजार रूपये भेंट स्वरूप प्रदान किये। आर्य कन्या विद्यालय समिति द्वारा संचालित संस्था की सर्वश्रेष्ठ अध्यापिका श्रीमती निर्मला पारीक को शॉल ओढ़ाकर 3100/– रूपये से सम्मानित किया गया और जरूरतमन्द प्रतिभाशाली आठ छात्राओं को पं. विद्यावाचस्पति मैमोरियल ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री विजय सिंह भाटी ने मनुष्य को प्रतिदिन अधिक से अधिक ओम् का स्मरण कर समस्त सुख शांति प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। सभा को आर्यप्रतिनिधि सभा राजस्थान के मन्त्री डॉ. सुधीर शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

सभा के मंच का संचालन पं. हेतराम जी के सुपुत्र श्री बृजेन्द्र देव आर्य ने किया इस श्रद्धांजलि सभा में आर्यवीर दल राजस्थान के प्रान्तीय संचालक श्री सत्यवीर जी आर्य कार्यकारी संचालक देवेन्द्र शास्त्री, जयपुर जिला संचालक पं. दीपक शास्त्री सर्वश्री जगदीश प्रसाद गुप्ता, अशोक कुमार आर्य, प्रदीप कुमार आर्य, के. रघुनाथ सिंह, पं. विनोदी लाल दीक्षित, लक्ष्मी आर्य एवं समस्त परिवार, शिव कुमार कौशिक, धर्मवीर आर्य, कृष्णलाल अदलखा, रविन्द्र सचदेवा, सत्यपाल आर्य, हेमराज कल्ला, डॉ.बी.एल.सैनी, सुभाष आर्य, सुनील आर्य, हरिपाल शास्त्री, राजगुप्ता, प्रमोद आर्य, सौरभ आर्य, धर्मसिंह आर्य, श्रीमती कमला शर्मा, इन्द्रा आर्य, सुमन आर्य, दीविशा आर्य, ईश्वर देवी, डॉ. सी.पी. पालीवाल, डॉ. विमलेश शर्मा, शशि बाला भार्गव आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आर्य समाज पाणिनि नगर में महर्षि दयानन्द जयन्ती महोत्सव सम्पन्न

मगरा पून्जला गोकुल जी की प्याऊ स्थित आर्य समाज मन्दिर, महर्षि पाणिनि नगर में 193वाँ दयानन्द जयन्ती महोत्सव समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। आर्य वीर दल अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम संयोजक महेश परिहार ने बताया कि 19 फरवरी को मैराथन दौड़ में अव्वल स्थान पर आने वाले 10–10 छात्र/छात्रा, एथलीटों एवं पुरुष व महिला वर्ग के प्रतिभागिओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किये गये। इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो.एस.पी.सी. भण्डारी, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री विजयसिंह भाटी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती लीलावती महिला प्रधान सोजत सीटी, श्री किशनलाल गहलोत, डी.पी. शर्मा, श्रीमति चन्द्रकान्ता भाटी थे।

सर्वद्वारेषु देहेऽस्मिन्प्रकाश उपजायते। ज्ञानं यदा तदा विद्याद्विवृद्धं सत्वमित्युत ।। गीता – 14/11।।
सत्वगुण की अभिव्यक्ति को तभी अनुभव किया जा सकता है, जब शरीर के सारे द्वार ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं।

आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारियों द्वारा आर्य समाजों का निरीक्षण

आर्य समाज स्वामी दयानन्द आर्य

दिनांक 23 फरवरी 2017 को स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर में पं. हेतराम सभागार के अनावरण कार्यक्रम के अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री विजय सिंह भाटी, मंत्री डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, उप्रधान भी जगदीश जी आर्य (जखराणा), अन्तरंग सदस्य सुखलाल आर्य, देवेन्द्र शास्त्री ने उक्त आर्य समाज का निरीक्षण किया एवं आर्य समाज द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

आर्य समाज राजगढ़, अलवर

दिनांक 23 फरवरी 2017 को आर्य समाज राजगढ़ के पदाधिकारियों से आर्य समाज स्वामी दयानन्दमार्ग अलवर के सभा भवन में मिटिंग हुई प्रतिनिधि सभा के प्रधान विजय सिंह भटी एवं मन्त्री डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, एवं अन्य पदाधिकारियों के सम्मुख आर्य समाज की समस्याओं को रखा। आर्य समाज के विनोदीलाल दीक्षित ने बताया लगभग एक शताब्दी पुराने आर्य समाज भवन को सरकार द्वारा तोड़ने के निर्देश दिये हैं जो कि आर्य समाज के प्रति सरकार का यह दमनात्मक कदम है। सभा प्रतिनिधियों ने इस सन्दर्भ में सम्बन्धित जिला कलेक्टर से मिलकर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

भव्य मैराथन दौड़ व निः शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

आर्य समाज मन्दिर महर्षि पाणिनि नगर एवं जोधपुर की समस्त आर्य समाजों के तत्त्वावधान में मैराथन दौड़ श्रीमती चन्द्रकान्ता भाटी, श्री डी.पी. शर्मा, खेमसिंह जी, मदन जी तंवर व हरिसिंह जी ने ओम्ध्वज दिखाकर हजारों की संख्या में आर्य वीर, वीरांगना, विद्यालय के बालक–बालिकाओं के साथ महिलाओं तथा बुजुगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। दौड़–अमृतलाल गहलोत स्टेडियम से नयापुरा, चाणक्य नगर लालसागर से होते हुऐ आर्य समाज महर्षि पाणिनि नगर में सम्पन्न हुई।

आर्य समाज भुसावर, भरतपुर

दिनांक 25 फरवरी 2017 को प्रतिनिधि सभा के मन्त्री डॉ. सुधीर शर्मा, उपप्रधान ओमप्रकाश गुणसारा, अन्तरंग सदस्य श्री देवेन्द्र शास्त्री एवं अन्य सदस्यों ने आर्य समाज भुसावर का निरीक्षण किया एवं आर्य समाज के पदाधिकारियों से संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। सभा मन्त्री ने आर्य मार्तण्ड की सदस्यता बढाने के निर्देश दिये।

आर्य समाज बयाना, भरतपुर

दिनांक 25 फरवरी 2017 को आर्य प्रतिनिधि सभा के पदाधिकारियों ने बयाना, भरतपुर प्रवास के दौरान आर्य समाज के सदस्यों के साथ बैठक की। बयाना आर्य समाज के सक्रिय कार्यकर्ता एवं प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् डॉ. जितेन्द्र शास्त्री ने आर्य समाज द्वारा संचालित गतिविधियाँ की जानकारी दी एवं बताया कि आज ज्यातर सदस्य भुसावर कन्या गुरूकुल के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हैं।

– पं. दीपक शास्त्री, वैशाली नगर, आर्य समाज, जयपुर

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
आवश्यक सूचना (कार्यालय आदेश)

राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा से सम्बद्ध समस्त आर्य समाजों को पुनः सूचित किया जाता है आगामी मई माह में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के अन्तरंग के निर्वाचन प्रस्तावित हैं, जिसका विस्तृत कार्यक्रम आगामी आर्य मार्तण्ड के अंकों में प्रकाशित कर दिया जायेगा। सभी आर्य समाज 10 अप्रेल 2017 तक विगत वर्ष का निश्चित कोटि दशांश एवं आर्य मार्तण्ड शुल्क निर्धारित प्रपत्र (वार्षिक मानचित्र) भर कर भेज देवें। जिन आर्य समाजों ने 2015–2016 का वार्षिक मानचित्र अभी तक सभा कार्यालय को नहीं भिजवाया है। वे संस्थाएँ विगत 2 वर्ष का दशाशं निश्चित कोटि एवं आर्य मार्तण्ड शुल्क निर्धारित तिथि तक अनिवार्य रूप से सभा कार्यालय को भिजवाने का श्रम करें।

– मंत्री, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

इन्द्रियाणां विचरतां, विषयेष्वपहारिषु । संयमे यत्नमातिष्ठेद्, विद्वान् यन्तेव वाजिनम् ।। – मनु. 2.88 ।।

अर्थात् विद्वान् मनुष्य, अपनी ओर आकर्षित करने वाले विषयों में विचरने वाली इन्द्रियों को नियन्त्रित करने में उसी प्रकार प्रयत्न करें, जैसे सारथि घोड़ों के नियन्त्रण में यत्न करता है।

।। ओ३म् ।।

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का वार्षिक चित्र

इस प्रपत्र में पूर्ण विवरण अवश्य भेजें

1 अप्रैल..... से 31 मार्च..... तक का विवरण एवं 1 अप्रैल..... से 31 मार्च..... तक का विवरण

आर्य समाज.....जिला.....का वार्षिक वृत्तान्त

आय का विवरण	रू.	पै.	व्यय का विवरण	रू.	पै.
सभासदों का चंदा दान मकान किराया विवाह संस्कारों से आय वार्षिकोत्सव से बचत अन्य आय			साप्ताहिक सत्संग में खर्च अतिथि सत्कार सभा को निश्चित कोटि सभा को दशांश वेद प्रचार आर्य मार्तण्ड दयानंद सेवा सदन वार्षिक उत्सव विशेष प्रचार आदि		
योग			योग		

1. वर्ष के आरम्भ में सभासदों की संख्या
   वर्ष के अंत में आर्य सभासदों की संख्या
   आर्यों (सहायकों) की संख्या रही।
2. वार्षिक निर्वाचन दिनांक को हुआ।
3. अंतरंग साधारण सभा बार हुई।
4. वार्षिकोत्सव दिनांक को हुआ।
5. सभा को दी गई राशि की
   रसीद सं. दि. है।
   (1.) निश्चित कोटि (2.) दशांश
   (3.) आर्य मार्तण्ड (4.) अन्य

6. उपर्युक्त आय पर..... दशांश की राशि.....बनती है।
   दशांश निश्चित कोटि आर्य मार्तण्ड का कुल योग.....होता है।
7. आर्य समाज के अधीन निम्नरथ संस्थायें है। (यहाँ केवल नाम ही लिखे, ब्यौरा पृथक संलग्न करे)
8. इस समाज की साधारण सभा दिनांक ..... द्वारा आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए निम्नस्थ प्रतिनिधि चुने गये।

क्र.स.	प्रतिनिधि का नाम	पिता का नाम	आयु	शतांश चन्दा	हस्ताक्षर प्रतिनिधि	फोन न.
1.						
2.						
3.						
4.						

प्रमाणित किया जाता है कि उपयुक्त प्रतिनिधियों की अधिवेशनों में उपस्थिति नियमानुकूल है तथा इनकी आय का शताशं चन्दा पूरे वर्ष का प्राप्त हो चुका है। सभा के अधिवेशन में वे ही प्रतिनिधि भाग ले सकेंगे जिनके आय का शतांश चन्दा उपर्युक्त वार्षिक चित्र में अंकित होगा।

दिनांक ..... ह. प्रधान ह. मंत्री ह. कोषाध्यक्ष ह. आँडीटर

आर्य समाज के आर्य सभासदों की सूची जिनका गत वर्ष का पूरा चन्दा जमा हो चुका है और साप्ताहिक अधिवेशन में 25% उपस्थिति है। वे दो वर्ष से अधिक समय से सदाचार पूर्वक आर्य समाज के सदस्य हैं।

साधारण सदस्यों हेतु नमूना प्रपत्र

क्र.स.	नाम	पिता का नाम	आयु	मासिक आय	विशेष	फोन न.

ह. मंत्री आर्य समाज

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के आर्य वीरों द्वारा निकाली गई राष्ट्र एकता एवं अखंडता मोटर साईकिल यात्रा का संस्कार भारती पी.जी. कॉलेज, बगरू, जयपुर परिसर में भव्य स्वागत

आर्य महिला भजनोपदेशिका गुरूकुल भूसावर, भरतपुर के उद्घाटन के अवसर पर छात्रा का प्रवेश करते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री डॉ. सुधीर शर्मा एवं गुरूकुल के संस्थापक हरिश चन्द्र शास्त्री

आर्य समाज स्वामी दयानन्द मार्ग अलवर में पण्डित हेतराम सभागार के उद्घाटन कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करते हुए आर्यप्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान विजय सिंह भाटी एवं मंत्री डॉ. सुधीर शर्मा

- जब बहुत सा धन असंख्य प्रयोजन से अधिक होता है तब आलस्य, पुरुषार्थरहितता; ईर्ष्या, द्वेष, विषयासक्ति और प्रमाद बढ़ता है। – एकादश समुल्लास, सत्यार्थ प्रकाश

डाक पंजियन सं. RJ / JPC / FN-232 / 2017-2019 / आर. एन. आई नं.10471/60

कार्यालय सूचना एवं निर्देश

- आर्य समाज में बालकों एवं युवाओं की संख्या में वृद्धि तथा उनके निर्माण हेतु प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को ''बाल एवं युवा सप्ताह'' मनाने का निर्देश आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान द्वारा सभी आर्य समाजों को दिया गया था । यह निर्देश नवम्बर माह के अन्तिम रविवार से ही क्रियान्वित किया जाना था । सभा उन सभी आर्य समाजों का आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस निर्देश का पालन करते हुए इस सम्बन्ध में आयोजन किये।
- आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान का मुखपत्र ''आर्य मार्तण्ड'' का प्रत्येक अंक नवम्बर–द्वितीय अंक से पीडीएफ फॉरमेट में भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस फॉर्मेट में प्राप्त करने के लिए अपना ईमेल पता, नाम एवं सम्पर्क सूत्र aryamartand@gmail.com पर भेजें। वाट्स एप्प पर ''सत्यार्थ प्रकाश क्रान्ति, आर्य वीर राज. सूचना, आर्य वीर दल के अन्य सभी ग्रुप्स में नियमित रूप से उपलब्ध करवाया जा रहा है ।
- आर्य समाजों में होने वाली समस्त गतिविधियाँ ऋषि दयानन्द सरस्वती के मन्तव्यों एवं वैदिक सिद्धान्तों के अनुसार ही संचालित की जावें। उक्त प्रयोजार्थ ही आर्य समाज संस्थाएँ अपने परिसर एवं भवन अन्य सम्बन्धित संस्थाओं को नियमानुसार उपलब्ध करवा सकती हैं। महर्षि दयानंद के सिद्धान्तों के प्रतिकूल उद्देश्यों वाली संस्थाओं एवं संगठनों आदि के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा एतदर्थ स्वीकृति नहीं है। साथ ही समस्त आर्य समाजों के पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे आर्य समाज के भवन अथवा परिसर को व्यवसाय की दृष्टि से किराये पर देने से पूर्व सभा से लिखित में स्वीकृति अनिवार्यतः प्राप्त करें। इस सम्बन्ध में यह भी संसूचनीय है कि आर्य समाज के पदाधिकारियों को समाज के भवन, दुकान, जमीन अथवा किसी भी प्रकार की परिसम्पत्तियों को विक्रय करने का अधिकार नहीं है।

आतिथ्य –आहुति

आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान द्वारा जयपुर में कार्यालय परिसर में निरन्तर आने वाले अतिथियों के लिए अस्थायी आवास एवं भोजन हेतु संचालित आतिथ्य–यज्ञ में अपनी बहुमूल्य आहुति देकर इस पवित्र यज्ञ को सुचारू रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सभी आहुतिदाताओं का बहुत–बहुत आभार ।

अन्य जो भी इस व्यवस्था के सफल संचालन में अपनी आहुति भेंट करने के इच्छुक हों वे 9352547258 पर सम्पर्क कर सकते हैं। जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, स्मृति, विवाह आदि अवसरों पर आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा संचालित इस अतिथि यज्ञ में अपनी आहुति अर्पित कर पुण्यभागी बनें।

आगामी कार्यक्रम

1. 1–2 अप्रैल 2017 (शनिवार–रविवार) को महाशय धर्मपाल वेद रिसर्च फाउण्डेसन, कोझिकोड़ (केरल) के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन एवं दक्षिण भारतीय वैदिक सम्मेलन
2. अग्नि होत्र प्रशिक्षण केन्द्र, वानप्रस्थ साधक आश्रम रोजड़, गुजरात के तत्त्वाधान में 19 मार्च 2017 को आयोजित किया जावेगा।

आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजा पार्क जयपुर के लिये राज प्रिन्टर्स एसोसियेट्स बेसमेंट, 45, परनामी मन्दिर जयपुर द्वारा मुद्रित।
मु. सम्पादक एवं प्रकाशक डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, मंत्री–आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान।

टिकट

प्रेषक:-
सम्पादक, आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

यूको बैंक A/c No.:18830100010430 तिलक नगर, जयपुर

प्रेषित

विशेष – आर्य्य मार्तण्ड में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। उनमें सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।